

महावीर जयन्ति स्मारिका - १९७८ (फोल्डर नं. ०१४०२४)

मुख्य टाइटल

सन्देश

अनुक्रम

आपकी बात हमारी बात

अध्यक्षीय -----	३
आत्म-निवेदन -----	५
प्रकाशकीय-----	६
राजस्थान जैन सभा-संक्षिप्त परिचय -----	८
महावीर जयन्ती स्मारिका १९७७ – लोक दृष्टि में	
सितारे जो अस्त हो गये	
प्रथम खण्ड – महावीर-उनका दर्शन एवं इतर दर्शन	
वीर वन्दना-----	१
महावीर-आत्मक्रांति और जनक्रान्ति के आईने में -----	२
भगवान महावीर के दर्शन -----	३
महावीर व्यक्तित्व-मापन-----	९
ज्योतिर्मय तुम्हारी प्रतीक्षा है-----	१३
ईश्वर-परिकल्पित निरर्थकता-----	१५
व्यक्ति की वृत्ति -----	२४
जैन, बौद्ध और गीता के दर्शन में कर्म का अशुभत्व, शुभत्व और शुद्धत्व-----	२५
श्री वीर स्तवन -----	४२
जैन साधना का रहस्य-----	४३
पांच महाव्रतों की वरीयता-----	५१
द्वितीय खण्ड – म्हारी धरती म्हारो देश	
मंगलाचरणम्-----	१
प्रशमरतिप्रकरणकार तत्त्वार्थ सूत्र तथा भाष्य के कर्ता से भिन्न-----	२
कीमती घोड़ा -----	८
सूर के काव्य पर अपभ्रंश कृष्ण-काव्य का प्रभाव -----	९
दो क्षणिकाएं-----	१६
खारवेल का प्रारम्भिक जीवन -----	१७
प्रभुसे विनम्र प्रश्न -----	२६
सर्वतोभद्र प्रतिमा -----	२७
आदमी -----	३०
उत्तरपुराण में प्रतिबिम्बित राजनीति -----	३१

चाहूंगा अपना अपना-----	४०
कुलकर और श्रमण संस्कृति -----	४१
सगुण भक्तों की रहस्य भावना -----	५९
आत्मशांति को छू न सकेगी-----	६६
खण्डेलवाल श्रावकों की उत्पत्ति -----	६७
तुम स्वयं महावीर हो-----	७२
जैन हरिवंश पुराणकालीन भारत की सांस्कृतिक झलक-----	७३
संस्कृत नाट्य साहित्य में हस्तिमल्ल के नाटकों का स्थान -----	७९
एक सत्य का हाथ बहुत है -----	८४
वाल्मीकि रामायण और जैन कथा-----	८५
ओंकार बिन्दु संयुक्त -----	८८
मुस्लिम राज्य में जैन धर्म -----	८९
आत्म गीत-----	१००
जयपुर पोथी खाने का हिन्दी जैन साहित्य -----	१०१
राघव पाटनी रचित यात्रा प्रकाश-----	१०७
जयपुर के जैन मेले-----	१०९
महावीर रा स्वर गूंजे है-----	११२
जयपुर की प्रथम डेढ़ शती के जैन साहित्यकार -----	११३
नारी -----	१२०
बुधजन सतसई -----	१२१
संघी झूताराम और उनके पूर्वज -----	१२५
बालक-----	१३१
दीवान झूतारामजी और उनके वंशज-----	१३३
महावीर री सीख अमर रहे -----	१३७
टोडरमलजी के कुछ अप्रकाशित पद -----	१३९
आम्बेर संग्रहालय की तीर्थकर मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा -----	१४३
जैन साहित्य में प्रयुक्त धर्म परीक्षा अभिप्राय-----	१४५
The Jaina Atheism -----	151
धर्म, धार्मिक और धर्मालय-----	१६०
तृतीय खण्ड – मुक्त चिन्तन तथा अन्य	
विश्वबंधुत्वस्योत्प्रेरको भगवान् महावीरः-----	१
प्रीतंकर-----	३
अहसान -----	६
भगवान् महावीर प्रश्न चिन्हों के घेरे में -----	९
निबन्ध प्रतियोगिता के लेख – प्रथम-----	११

